साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.com** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 18 | गोंदिया : गुरुवार, 10 दिसम्बर 2020 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत

निवास टैक्स पर चल रहे व्यवसायिक प्रतिष्ठान

करोड़ो के टैक्स का हो रहा प्रतिवर्ष नप को नुकसान

नवीन अग्रवाल- शासन के नियमानुसार निवास स्थान व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का संपत्ती कर (टैक्स) अलग-अलग होता है। लेकिन गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत हजारों मकानों में व्यवसायिक प्रतिष्ठान चल रहे है। लेकिन टैक्स निवास स्थान का ही नप को दिया जा रहा है। जिससे प्रतिवर्ष करोड़ो के राजस्व का नुकसान नप हो रहा है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र नगर पंचायत अधिनियम के तहत स्थानिय स्वराज्य संस्था द्वारा शहर के विकास के लिए संपत्ती कर (टैक्स) लिया जाता है। जिसमें निवास स्थान, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, पक्के मकान, कच्चे मकान सभी का अलग-अलग स्लैब होता है। जिसके अनुसार संपत्ती धारक को अपना टैक्स जमा कराना होता है। लेकिन गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत हजारों प्रतिष्ठान ऐसे हैं, जिनकी संपत्ती का टैक्स निवास स्थान के स्लैब नप को जमा करवाया जा रहा है। लेकिन वहां अनेकों व्यवसायिक प्रतिष्ठान चल रहे है। जिसका टैक्स का स्लैब बदल जाता है तथा उन्हें व्यवसायिक प्रतिष्ठान का टैक्स देना होता है, तथा व्यवसायिक प्रतिष्ठान शुरु होने पर इसकी जानकारी नप प्रशासन को देना होता है। जिससे उसका फिर से नया असिसमेंट कर टैक्स लगाया जाता है। लेकिन गोंदिया शहर में चल रहे निवास स्थानों में हजारों प्रतिष्ठानों द्वारा इसकी जानकारी नप प्रशासन को नहीं दी, न तो नप द्वारा गत अनेक वर्षों से इस प्रकार का सर्वे किया है। जिससे प्रतिवर्ष करोड़ो रुपए के टैक्स के राजस्व का नुकसान प्रशासन को हो रहा है। इस संदर्भ में जिम्मेदार कौन? इसपर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। विशेष यह है कि गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वर्तमान समय में टैक्स विभाग में करीब ४२ हजार संपत्तीयों का पंजीयन है। जिसका प्रतिवर्ष ४ करोड़ ८६ लाख का टैक्स होता है। यदि नप प्रशासन द्वारा पुरे शहर का सर्वे कर नए सिरे से असिसमेंट किया जाए तो करीब २० हजार संपत्ती जिनका अभी तक संपत्ती धारकों ने पंजीयन नहीं करवाया है। उनका भी पंजीयन होने के साथ तथा निवास स्थानों की जगह पर चल रहे व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का भी सर्वे हो सकेंगा। जिससे अंदाजन २० करोड़ रुपए से अधिक का टैक्स प्रतिवर्ष नप प्रशासन को प्राप्त होंगा। जिससे शहर के विकास कार्यों को भी गति मिलेंगी।

जीआईएस प्रणाली से सर्वे अधुरा

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत गत ४ वर्षों पूर्व जीओग्रॉफिक इंनफोरमेशन सिस्टम (जीआईएस) प्रणाली से संपत्तीयों का सर्वे अमरावती की एक कंपनी को दिया गया था। जिसके द्वारा करीब ६० से ७० प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया था। लेकिन नप द्वारा उपरोक्त कार्य का भुगतान संबंधित कंपनी को नहीं किए जाने से वह कार्य बीच में ही अधुरा रह गया था। जिससे शहर का सर्वे व नए सिरे से असिसमेंट का कार्य अब तक नहीं हो पाया है।

जीआईएस प्रणाली से सर्वे जल्द ही

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत सभी संपत्तीयों का जीआईएस प्रणाली से सर्वे का कार्य शुरु किया जाएगा। जिससे सभी संपत्तीयों का रिकॉर्ड नप को प्राप्त होंगा। जिसके पश्चात नए असिसमेंट कर टैक्स लगाया जाएगा।

- करण चव्हान
मुख्यधिकारी, नप गोंदिया

रेती घाटों की निलामी न होने से

२५ करोड के राजस्व पर फिरा पानी

गोंदिया- एक साल की कालावधि समाप्त होने के बाद भी जिले की रेती घाटों की निलामी करने की सफलता खनिकर्म विभाग को नहीं मिल पाई है। राज्य स्तरीय पर्यावरण समिति की ओर से रेती घाटों की निलामी हेतु मंजूरी नहीं मिलने से २५ कारोड़ के राजस्व में पानी फिरता हुआ दिखाई दे रहा है। पिछले वर्ष जिले के सभी २७ रेती घाटों की निलामी की गई थी। जिससे २५ करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था। प्रतिवर्ष मार्च महिने की शुरुवात में रेती घाटों की निलामी प्रक्रिया शुरु हो जाती थी। रेती घाटों की निलामी प्रक्रिया शुरु करने हेतु प्रदुषण नियंत्रण विभाग अंतर्गत जन सुनवाई कर मंजूरी तथा राज्य स्तरीय पर्यावरण समिति की मंजूरी लेना आवश्यक है। लेकिन मार्च महिने के दौरान ही कोरोना महामारी का संक्रमण फैलने से प्रदुषण नियंत्रण विभाग की ओर से जन सुनवाई तीन महिनों के बाद की गई लेकिन राज्य स्तरीय पर्यावरण समिति की ओर से मंजूरी नहीं मिलने से रेती घाटों की निलामी अब तक नहीं हो पाई है। खनिकर्म विभाग की ओर से २७ में से २४ रेती घाटों की निलामी प्रक्रिया पूर्ण की थी। लेकिन संबंधित विभाग की ओर से मंजूरी के अभाव के चलते आगे की प्रक्रिया पूर्ण नही हो पाई। जिसके चलते रेती घाटों के माध्यम से प्राप्त होनेवाले २५ करोड़ के राजस्व में पानी फिर गया है।

शासन के राजस्व पर माफियाओं की घुसपेठ

जिले में अब तक कोई भी रेती घाट की निलामी नहीं की गई है। जिसके चलते रेती माफियाओं के उत्खन्न से घाट पोकल हो गए है। वहीं दुसरी ओर उक्त माफियाओं द्वारा दोगुने दाम पर जरुरतमंदो को रेती बेची जा रही है। रेती घाटों की निलामी में हुई देरी के चलते माफियाओं द्वारा बड़े पैमाने पर उत्खन्न कर शासन के राजस्व पर घुसपेठ की जा रही है।

मध्यप्रदेश की रॉयल्टी के नाम महराष्ट्र की रेती

गोंदिया जिला मध्यप्रदेश की सिमा से सटा हुआ है। मध्यप्रदेश के किन्ही स्थित रेती घाट महाराष्ट्र से लगा हुआ है। लेकिन इस भाग से रेती का अवैद्य उत्खन्न बड़े पैमाने पर किया जाता है। मध्यप्रदेश की रॉयल्टी के नाम महाराष्ट्र की वैनगंगा नदी से बड़े पैमाने पर रेती का उत्खन्न किया जा रहा है। लेकिन इस ओर राजस्व विभाग की ओर से कोई कार्यवाई नहीं की जा रही है।

अवैद्य उत्खन्न से खोखले हुए घाट

जिले में रेती माफियाओं द्वारा पुरे घाटों में अवैद्य रुप से उत्खन्न किया जा रहा है। जिसके चलते रेती घाट खोखले हो गए है। ऐसे में निलामी हुई भी तो घाट खरीदेंगा कौन इस तरह का प्रश्न निर्माण हो रहा है।

किसान आंदोलन : जिले में भारत बंद को मिलाजुला प्रतिसाद

राजनीतिक दलों ने किया विरोध प्रदर्शन

गोंदिया- केंद्र सरकार द्वारा पारित कृषि बिल के विरोध में मंगलवार ८ दिसंबर को किसान संगठनों द्वारा बुलाए गए भारत बंद को जिले मिलाजुला प्रतिसाद मिला। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, शिवसेना व अन्य दलों द्वारा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। शहर में दोपहर तक बंद का आंशिक असर दिखाई दिया, लेकिन दोपहर बाद पूरा बाजार खुल गया। गोंदिया कृषि उत्पन्न बाजार समिति पूरी तरह बंद रही। राकापा द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रफुल पटेल उपस्थित थे।

किसानों का विद्युत कार्यालय पर मोर्चा

विधायक चंद्रिकापुरे वापस जाओ के लगाए नारे

संतोष रोकड़े अर्जुनी मोर.- अर्जुनी मोरगांव तहसील के धान उत्पादक किसानों द्वारा २४ घंटे विद्युत आपूर्ति की मांग को लेकर ८ दिसंबर को विद्युत वितरण कार्यालय पर विशाल जनाक्रोश मोर्चा निकाला गया। इस आंदोलन के दौरान जब क्षेत्र के विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे शाम ५.३० बजे के दौरान आंदोलनकारियों को भेंट देने आए तो आक्रोशित आंदोलनकारियों द्वारा विधायक वापस जाओ के नारे लगाते हुए कहा कि अब तक उन्हें अनेकों बार निवेदन दिया गया लेकिन किसानों के हित में कार्य नहीं किया, जिससे अब किसानों को उनकी जरुरत नहीं है, ऐसा कहते हुए उन्हें वापस जाओ के नारे लगाकर विरोध किया। इसके पूर्व सुबह ११ बजे तहसील के हजारों किसान, खेत मजदूर, ट्रैक्टर व बैलगाड़ी से मोर्चा निकालकर विद्युत कार्यालय पर पहुंचे तथा २४ घंटे विद्युत आपूर्ति करने, बकाया बिल माफ करने की मांग की। जिसके पश्चात आंदोलनकारियों से उपविभागीय अभियंता सहारे द्वारा चर्चा कर जानकारी दी कि इस संदर्भ में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर इस समस्या का हल निकाला जाएगा। लेकिन शाम तक किसी भी प्रकार का हल सामने नहीं आया। उपरोक्त आंदोलन में पूर्व नगराध्यक्ष किशोर सहारे, सुरेंद्रसिंह चंदेल, कुरखेड़ा के नगराध्यक्ष महेंद्रकुमार मोहबंसी, जैस्मिनसिंह गौतम, अनिल लंजे, अशोक कापगते, रत्नाकर बोरकर, आनंद राव सोनवाने, दीपक सोनवाने सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

अब ड्रोन कैमरों से होंगी रेती घाटों की निगरानी

गोंदिया- जिले में रेत घाटों से रेत चोरी करने की शिकायतें बार-बार सामने आ रही है। जिसके चलते अब रेत चोरी पर नियंत्रण पाने के लिए जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा ड्रोन कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। इस उपक्रम का निरिक्षण करने के पश्चात अपर जिलाधिकारी राजेश खवले ने बताया कि इससे रेत चोरी पर निश्चित रुप से लगाम लगेगी। ३ दिसंबर को गोंदिया तहसील के ग्राम डांर्गोली एवं तेढ़वा घाट पर रेत चोरी पर नियंत्रणा के लिए ड्रोन कैमरा उड़ाया गया। पहले दिन की गई उक्त कार्यवाई एक भी रेत चोरी का मामला सामने नहीं आया। यह अभियान रात्री के दौरान भी चलाया जाएगा। जिसके चलते रेत चोरी पर लगाम लगाने का प्रशासन को पक्का भरोसा है। इस दौरान कोई भी वाहन रेत चोरी करते हुए पकड़ा गया तो उसे उपप्रदेशिक परिवहन अधिकारी द्वारा जब्त किया जाएगा। वहीं उक्त वाहन का रजिट्रेशन भी रद्द किया जाएगा। ड्रोन के प्रात्याक्षिक निरीक्षण के दौरान अपन जिलाधिकारी राजेश खवले, राजस्व सहायक किशोर राठोड़ तथा विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए।

घरगृती गैस सिलेंडर पर मात्र ४६ रुपए की सबसिडी

गोंदिया- केंद्र शासन की ओर से अनुदानित गैस सिलेंडरो पर सबसिडी के माध्यम से बची हुई शेष राशि बैंक खातों में जमा करने की शुरुवात की गई है। इस दौरान शुरु में सबसिडी के रुप में ग्राहकों के खाते में २०० से २५० रुपए जमा होते थे। लेकिन इस समय सिलेंडर की किमत ६६४ रुपए होने के बावजूद भी उसमें मात्र ४६ रुपए की सबसिडी जमा की जा रही है। सबसिडी देने के पूर्व एक सिलेंडर की किमत ३५० रुपए थी। लेकिन केंद्र शासन की ओर से सबसिडी लाए जाने से गैस सिलेंडरों की दर में अचानक बढ़ोत्तरी की गई। लेकिन इसके बावजूद अब मात्र ५० रुपए की सबसिडी दी जा रही है। जिसका खामयिजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। गैस सिलेंडरों की दर में उतार-चढ़ाव होने से गृहणियो का बजट बिगड़ रहा है। वहीं ग्राहकों द्वारा सबसिडी के अनुसार ही गैस सिलेंडर की कीमत निर्धारित किए जाने की मांग शासन से की जा रही है।

घर पहुंच सेवा में १५ रुपए अतिरिक्त

जिले में गैस वितरकों द्वारा घर में सिलेंडर पहुंचाने हेतु १० से १५ रुपए ग्राहकों से अतिरिक्त वसूले जा रहे है। जबकि नियमानुसार उक्त पैसे नहीं लिए जाने चाहिए। वहीं इसपर कई ग्राहकों द्वारा हस्तक्षेप भी किया गया है।

गैस सिलेंडर की दर में निरंतर बदलाव

गैस सिलेंडर की दरों में निरंतर बदलाव होते रहता है, तथा सबसिडी की राशि ग्राहकों के खाते में डाली जाती है। ग्राहकों को घर में सिलेंडर पहुंचाना वितरक की जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता।

-देविदास वानखेडे,
जिला पुरवठा अधिकारी

अब राशनकार्ड धारक बदल सकेंगे, राशन की दुकान

२७५ राशन धारकों ने उठाया लाभ

गोंदिया- जिले में अंत्योदय, प्रधान्य तथा केसरी ऐसे कुल २ लाखा ३४ हजार ५३० राशनधारकों का समावेश है। जिला अंतर्गत बदली तथा स्वस्त धान दुकानदारों द्वारा राशन के वितरण में की जानेवाली टालमटोल के कारण त्रस्त हुए राशनकार्ड धारक अब पोर्टेबिलिटी अंतर्गत दुसरे राशन विक्रेता से अपना अनाज उठा सकेंगे। इसके अंतर्गत अब तक २७५ राशन धारकों द्वारा लाभ लिया जा चुका है। जिले में स्वस्त धान वितरण करनेवाली दुकानों की संख्या १६३० के ऊपर है। इन राशन दुकान की माध्यम से २ लाख ३४ हजार ५३० राशन धारकों को अनाज का वितरण किया जाता है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार राशन दुकानदारों द्वारा अनेक मर्तबा टालमटोल कर ग्राहकों को घुमाकर उनका समय बर्बाद किया जाता है। जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस परेशानी को देखते हुए अब राशन कार्ड धारक पोर्टेबिलिटी के माध्य से अन्य दुसरी दुकान से अपना अनाज खरीद सकते है।

यह है शिकायत

नियमनुसार राशन कार्ड के युनिटनुसार अनाज का वितरण न करना, वितरणकारकों की ओर से अधिक पैसा वसूल करना, सरकारी अनाज की कालाबारी करना आदि शिकायतें दुकानदारों के विरुद्ध जिला पुरवठा विभाग की ओर से की गई है।

२३ दुकानों पर कार्यवाई

सरकारी अनाज की कालाबाजरी करना, राशनकार्ड धारकों को नियमित रुप से अनाज का वितरण नहीं करना, अतिरिक्त राशि वसूल कर अनाज का वितरण करनेवाले २३ दुकानदारों के लायसंस पुरवठा विभाग की ओर से रद्द कर दिए गए है। वही १५ दुकानदारों के खिलाफ मिली शिकायत की जांच शुरु होने की जानकारी पुरवठा विभाग की ओर से दी गई है।

जांच जारी

राशन कार्ड धारक तथा नागरिकों की ओर से राशन दुकानदारों के खिलाफ मिली शिकायत के अनुसार जांच की गई। जिसमें दोषी पाए जानेवाले २३ अनाज वितरण दुकानदारों का लायसंस रद्द कर दिया गया। वहीं आगे मिली अन्य शिकायतों की जांच की जा रही है।

- देविदास वानखेडे,
जिला पुरवठा अधिकारी

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें ।

- सम्पादक

संपादकिय

टीके का इंतजार

ब्रिटेन में नब्बे साल की महिला को अमेरिकी कंपनी फाइजर का बनाया पहला कोरोना टीका लगाए जाने के साथ ही अब यह उम्मीद और प्रबल हो गई है कि साल खत्म होने से पहले कुछ और देशों में टीका उपलब्ध होगा। कोरोना का टीका विकसित करने को लेकर दुनिया के कई देशों में होड़ लगी है और भारत सहित कुछ देश इसके काफी करीब पहुंच चुके हैं।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक ने भारत सरकार के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआइ) से अपने टीकों के आपात इस्तेमाल की अनुमति मांगी है। जाहिर है, टीका तैयार है, बस कुछ औपचारिकताएं बाकी हैं। अभी जो टीके आए हैं वे कितने असरदार होंगे, यह अलग बात है, लेकिन इतना निश्चित है कि महामारी पर काबू पाने में यह प्रयास मील का पत्थर साबित होगा। फाइजर ने भी भारत में अपने टीके के इस्तेमाल के लिए अनुमति मांगी है। माना जा रहा है कि एक पखवाड़े के भीतर संबंधित कंपनियों को इसके आपात इस्तेमाल की इजाजत दी जा सकती है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो भारत में जल्द ही कोरोना का टीका उपलब्ध होगा।

टीके को लेकर भारत में उम्मीदें इसलिए भी बढ़ी हैं कि पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट ने अपने टीके-कोविशील्ड की इस महीने तक दस करोड़ खुराक बना लेने की बात कही है। आक्सफोर्ड-एस्ट्रजेनेका के साथ मिल कर तैयार किया गया यह टीका हर आयु वर्ग के लिए सुरक्षित और सत्तर फीसद तक संक्रमण रोकने में कारगर होने का दावा किया जा रहा है। हैदराबाद की भारत बायोटेक ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के साथ मिल कर कोवैक्सीन टीका विकसित किया है। ये दोनों ही टीके परीक्षण के सारे चरण पूरे कर चुके हैं और परीक्षण की कसौटियों पर खरे उतरे हैं।

रुस में बने टीके स्पूतनिक-५ का भी डॉ. रेड्डीज लैब के सहयोग से भारत में परीक्षण चल रहा है। लेकिन फाइजर के टीके का भारत में कोई परीक्षण नहीं हुआ है। ऐसे में उसे इस्तेमाल की इजाजत मिलना संभव नहीं लगता। इस बारे में भारत सरकार का रुख स्पष्ट है कि विदेशों में परीक्षण में सफल रहे टीकों को भी भारत में परीक्षण की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। दरअसल, टीके को लेकर किसी तरह का जोखिम नहीं लिया जा सकता। सीरम और बायोटेक के टीकों का परीक्षण तो भारत में ही हुआ है और सब कुछ सरकार की निगरानी में चल रहा है। इसलिए इन्हें लेकर संदेह की कोई गुंजाईश नहीं रह जाती।

किसी भी बीमारी या महामारी का टीका या दवा बनाने से लेकर उसे बाजार में लाने तक की प्रक्रिया बहुत ही लंबी और जटिल है। हालांकि कोरोना के कहर को देखते हुए दुनिया के कई देशों ने टीका विकसित करने के अभियान में जैसी फुर्ती दिखाई है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। आमतौर पर टीकों के विकास और परीक्षण में सालों लग जाते हैं।

इसलिए इसे भी उपलब्धि के रुप में देखा जाना चाहिए कि वैज्ञानिक टीके के विकास के समय को सालों से घटा कर महीनों में ले आए हैं। यही कारण है कि टीके के असर को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पर टीके की गुणवत्ता और सुरक्षा से इसका कोई संबंध नहीं है। कारण, टीके को लेकर काम करने वाले तंत्र जिसमें चिकित्सक, वैज्ञानिक, सरकार, नियमाकीय व्यवस्था सब शामिल हैं, ने गंभीरता और सजगता के साथ ऐसे अभियान को कुछ ही महीनों में पूरा कर दिखाया, जिनमें पहले बरसों लग जाते थे। इसी तरह युद्धस्तर पर सतत काम होता रहा और सफलता के साथ टीकाकरण के काम को अंजाम दिया गया तो निश्चित ही भारत कोरोना को हरा देगा।

जनता के विश्वास को विफल नहीं होने देंगे -उद्धव ठाकरे

मुंबई– आम जनता के विश्वास के भरोसे राज्य में महाविकास अद्याडी सरकार को चुना गया तथा उक्त सरकार द्वारा एक साल पूर्ण किया गया। इस दौरान महाराष्ट्र पर अनेक संकट आए लेकिन इसके बावजूद महाराष्ट्र घबराया नहीं और न ही घबराएगा। इस तरह की बात महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सहायद्री अतिथीगृह में सरकार के एक साल पूर्ण होने तथा महिती व जनसंपर्क महासंचालनालय निर्मित पुस्तक प्रकाशन आयोजन के दौरान कही। इस अवसर पर सांसद शरद पवार, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, राजस्वमंत्री बालासाहब थोरात, उद्योगमंत्री सुभाष देसाई के साथ ही मंत्री मंडल के सदस्य व विधायक उपस्थित थे। उसी प्रकार मुख्यमंत्री ठाकरे, सांसद पवार, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, राजस्व मंत्री थोरात, महिती व जनसंपर्क राज्यमंत्री अदिती तटकरे, सचिव तथा महासंचालक डॉ. दिलीप पांढरपट्टे के हस्ते महाराष्ट्र थांबला नाही, थांबणार नाही पुस्तक का प्रकाशन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि जनता के आर्शिवाद से तीन पक्ष की सरकार को एक वर्ष पूर्ण हो गए है। इस वर्ष आई आपदा से लोगो को बाहर लाने के लिए सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है।

संत गाडगे बाबा की प्रेरणा से कार्य : संत गाडगे बाबा से मिली प्रेरणा के अनुसार शासन की ओर से कार्य किया जा रहा है। वहीं जनता द्वारा सरकार पर जताये गए भरोसे को विफल नहीं होने दिया जाएगा ऐसा आश्वासन देते हुए सरकार द्वारा एक वर्ष के दौरान किए गए कार्यकाल का पुस्ततक में विवरण किया गया। जिसकी प्रशंशा मुख्यमंत्री द्वारा की गई।

संकटग्रस्तों को धीरज रखने की जरुरत : सांसद शरद पवार ने कहा कि सरकाने याने जगन्नाथ का रथ जिसको आगे बढ़ाने का सभी को संयुक्त रुप से काम करना है। वहीं संकट के दौरान इसमें फंसे लोगो को सहायता देने का कार्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। वहीं इस दौरान परेशानी का सामना कर रहे लोगो ने धीरज दिखाया तथा रास्तों में आकर आंदोलन न करते हुए सरकार का साथ निभाया।

जनता के विकास के लिए सरकार तत्पर : उसी प्रकार उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जनता के विकास के लिए सरकार तत्पर है। शासन की ओर से एक वर्ष का किया गया कार्य समाधानकारक है। इसीके साथ कोरोना योद्धाओं का आभार भी उपमुख्यमंत्री ने माना। विविध विभागों द्वारा लिए गए निर्णयों के समावेश में पुस्तक प्रकाशित किए जाने पर उन्होंने माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय की प्रशंशा की।

नागरिकों को विविध उपयोजनाओं से राहत
–राजस्व मंत्री बालासाहब थोरात

महाविकास आद्याडी सरकार द्वारा सभी पहलुओं पर काम किया जा रहा है। अतिवृष्टी तथा कोरोना महामारी के दौरान परेशान नागरिकों को विविध उपाययोजना के माध्यम से राहत देने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने सरकार द्वारा वर्ष भर में किसान, आम जनता, विद्यार्थी घटकों के लिए गए निर्णय की जानकारी दी।

शालाबाह्य विद्यार्थियों की खोज करेंगे, १ हजार बाल रक्षक

शिक्षा से वंचित बच्चों को अधिकार दिलाने की तैयारी

गोंदिया– शिक्षा से वंचित बालकों को शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए गोंदिया के शिक्षा विभाग द्वारा तैयारी कर ली गई है। मिशन एक गांव एक बालक रक्षक के तहत सभी तहसीलों में १ हजार ३ बाल रक्षकों को नियुक्त किया गया है। नियुक्त किए गए बाल रक्षक जगह-जगह घुमकर शालाबाह्य विद्यार्थिंयों की खोज कर उन्हें करीबी स्कूलों में दाखिला दिलांएगे। किसी भी प्रकार का वेतन या फिर मानधन न लेते हुए शिक्षा से वंचित बालकों के लिए खुद प्रेरणा से काम करने के लिए शिक्षक एवं समाज समाज सेवियों ने बालरक्षक बनने की तैयारी की है। इस संदर्भ में जिला बाल रक्षक समन्वयिका कुलदीपिका बोरकर ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वंय प्रेरणा से कुछ समाज सेवी व शिक्षकों ने शालाबाह्य विद्यार्थिंयों के लिए काम करने की तैयारी की। जिप के सीईओ प्रदीपकुमार डांगे एवं शिक्षा अधिकारी राजकुमार हीवारे के मार्गदर्शन में शालाबाह्य विद्यार्थिंयों की खोज के लिए १ हजार ३ बाल रक्षक नियुक्त किए गए है। जिनमें आमगांव तहसील के १०९, अर्जुनी मोरगांव के १३२, देवरी १४४, गोंदिया के १३९ गोरगांव १०८, सड़क अर्जुनी ११३, सालेकसा १०९ तथा तिरोड़ा तहसील के ९५ बाल रक्षकों का समावेश है।

प्राथमिक शिक्षा हर बालक का अधिकार

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत ६ से १४ वर्ष की आयु वर्ग के हर बालक को प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। कोई भी बालक इस अधिकार से वंचित न रहे इसलिए मिशन एक गांव एक बाल रक्षक के तहत ८ से १० दिसंबर तक खोज अभियान चलाया जाएगा। जिस हेतु १००३ बाल रक्षक तैयार किए गए है।

– कु. कुलदीपिका बोरकर
जिला समन्वय (बाल रक्षक)

दास्तां प्रथम पृष्ठ की...

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

हमने अपने जीवन काल में कई पुस्तकों का अध्ययन किया ही होगा आपने एक बात अवश्य देखी होगी कि लेखक द्वारा प्रत्येक पुस्तक का प्रथम पृष्ठ आकर्षक बनाने का प्रयास किया जाता है। क्या कभी किसी ने इस तथ्य पर विचार किया है कि किसी भी पुस्तक का प्रथम पृष्ठ आकर्षक क्यों बनाया जाता है? साथ ही यह भी आवश्यक नहीं है कि पुस्तक के भीतर के पृष्ठ अथवा सामग्री दिल को छू लेने वाली हो परंतु पुस्तक के बाहरी और प्रथम पृष्ठ को मनमोहक बनाने का यथासंभव कार्य किया जाता है।

अब हम मनुष्य की जिंदगी को पुस्तक के प्रथम पृष्ठ से तुलना करेंगे तो हमें यह स्पष्ट रुप से दिखाई देगा कि कुछ व्यक्तियों का जीवन पुस्तक के प्रथम पृष्ठ के समान बन जाता है, ऐसे लोगों का जीवन केवल बाहरी आकर्षण हेतु ही सजा-संवारकर रखा जाता है। उनके जीवन का अस्तित्व और अर्थ सिर्फ बाहरी दिखावे के लिए ही होता है। ऐसे लोगों की ना तो घर परिवार में पूछ-परख ही की जाती है और ना ही उन्हें कोई विशेष अधिकार ही हासिल होते हैं।

ऐसे व्यक्तियों को देखते हुए मन मस्तिष्क में एक प्रश्न अवश्य आता है कि ऐसे लोग कौन हो सकते हैं? मित्रों मेरे विचार से ऐसे लोग हमारे बीच रहने वाले या हमारे परिसर के ही हो सकते हैं अथवा वे हमारे परिवार के सदस्य भी हो सकते हैं। सबसे बड़ा सच तो यह भी होता है कि ऐसे व्यक्तियों को समाज में तो बहुत ही सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है और उन्हें पूजनीय भी माना जाता है। इतना मान-सम्मान हासिल करते हुए भी उनका जीवन पुस्तक के प्रथम पृष्ठ की तरह आकर्षक तो होता ही है परंतु परिवार में इनका स्थान नगण्य ही होता है अर्थात् उनका परिवार में रहना या ना रहना कोई मायने नहीं रखता। ऐसे लोगों को कोई अधिकार न होने के कारण उनकी अनुपस्थिति से किसी को कोई विशेष फर्क भी नहीं पड़ता।

अंग्रेजी में ऐसे लोगों को रबड़ स्टांप शब्द की उपाधि दी जा सकती है। परिवार के अन्य सदस्य अपने आप को सही और अच्छा साबित करने के लिए ऐसे ही दीन-हीन सदस्यों की नुमाइश समाज के सामने करते हैं और यह दर्शाया जाता है कि केवल उन्हीं के सहयोग की वजह से ऐसे लोगों को समाज में सम्मान प्राप्त हुआ है। यह सम्मान प्राप्त करने में उस व्यक्ति ने न तो कोई मेहनत ही की है, ना ही उसने कोई संघर्ष किया है, यह विशेष तौर पर दर्शाया जाता है।

हमने अपने परिसर में कई बार इस तथ्य पर भी गौर किया होगा कि कुछ परिवारों में बड़े-बुजुर्गों और कुछ उपेक्षित सदस्यों को निरंतर अनदेखा किया जाता है या उनका तिरस्कार किया जाता है परंतु किसी मेहमान के घर में आते ही या समाज में किसी विशेष कार्यक्रम में शामिल होते समय ऐसे लोगों को शोपीस के समान प्रदर्शन करते हुए उन्हें सामने लाकर उनकी नुमाइश लगा दी जाती है। जिससे समाज को यह आभास हो कि परिवार के द्वारा इन तिरस्कृत सदस्यों को कितना अधिक सम्मान दिया जाता है या उनका कितना ख्याल रखा जाता है।

उपरोक्त तथ्यों पर विचार करते हुए मैं केवल इतना ही कहना चाहूंगी कि ऐसी झूठी शान से कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता। ऐसी बातें ना तो किसी से छिपी होती हैं ना ही अधिक समय तक छुपाई जा सकती हैं। घर-परिवार में प्रत्येक सदस्य का समान अधिकार होता है, चाहे वह किसी भी उम्र का ही क्यों ना हो। इसलिए परिवार के किसी भी कार्य में अथवा किसी भी प्रकार के महत्वपूर्ण निर्णय में प्रत्येक सदस्य का सहयोग होना नितांत आवश्यक है।

किसी भी परिवार की शोभा बाहरी दिखावे से नहीं होती है। परिवार की शोभा तो सभी की एकता से, अपनेपन से, एक-दूसरे के मान-सम्मान से और आपसी प्रेम से ही हो सकती है। घर-परिवार में यदि एक भी सदस्य दुखी है या वह उपेक्षित है अथवा परेशान है, तो उस परिवार की शांति में बढ़ोतरी होना असंभव है, क्योंकि हमने एक कहावत अवश्य सुनी होगी कि जिसका कोई नहीं उसका रखवाला मालिक है।

इसलिए मित्रों हमें सदैव यह प्रयास करना चाहिए कि जिस प्रकार एक पुस्तक का बाहरी व प्रथम पृष्ठ अपने आकर्षण से पाठकों को लुभाता है और उस पुस्तक के अग्रिम पृष्ठ यदि एक दूसरे से संवंध बनाते हुए संलग्न होकर अंतिम पृष्ठ तक एक दूसरे का साथ निभाते हुए कहानियां अथवा संबंधित लेखन कार्य में रुचि बनाते हैं तो वह अंततः पाठक को अपने साथ जोड़ने में कामयाब हो जाता है। परंतु यदि यही आकर्षण केवल प्रथम पृष्ठ तक ही सीमित हो तो पाठक की रुचि उस पुस्तक के अंत तक नहीं बनी रह सकती अर्थात् ऐसी पुस्तक पाठक को अंत तक अपने शब्दों से बांधकर नहीं रख सकती।

ठीक उसी प्रकार से मित्रों हमें भी अपने परिवार के ऐसे सदस्यों को जिन्हें पुस्तक के बाहरी पृष्ठ के समान ही समाज के सामने आकर्षण बनाए रखने के लिए ही केवल बाहरी रुप से अपनापन दिखाया जाता है उन्हें भी वह सम्मान दिया जाना चाहिए जो अन्य सदस्यों को दिया जाता है अर्थात बड़े बुजुर्गों, समाज के अनुभवी लोगों को या वे सदस्य जो अकेलेपन का जीवन जी रहे हैं उन सभी की मान-मर्यादा और पूछ-परख को कायम रखने का सदैव प्रयास करते रहना चाहिए। ऐसा प्रयास करने से ही जीवन रुपी पुस्तक की पाठ्यसामग्री में जीवन के अंत तक हर पल सबकी रुची बनी रह सकती है। दूसरे शब्दों में हम यह भी कह सकते हैं कि ऐसे प्रयासों से किसी व्यक्ति के नीरस जीवन में खुशियों की बहार लाई जा सकती है।

डा.आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस

हमारे संविधान को तैयार करने में डा.भीमराव रामजी आंबेडकर की बड़ी भूमिका थी। इसी वजह से वह संविधान निर्माता के तौर पर जाने जाते हैं। वह बड़े समाज सुधारक और विद्वान थे। उनका निधन ६ दिसंबर, १९५६ को दिल्ली स्थित उनके घर पर हुआ था। उनकी पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के तौर पर मनाया जाता है। आइए आज हम इस परिनिर्वाण के बारे में कुछ जानते हैं...

परिनिर्वाण क्या है?

परिनिर्वाण बौद्ध धर्म के प्रमुख सिद्धांतों और लक्ष्यों में से एक है। इसका वस्तुत: मतलब **मौत के बाद निर्वाण** है। बौद्ध धर्म के अनुसार, जो निर्वाण प्राप्त करता है वह संसारिक इच्छाओं और जीवन की पीड़ा से मुक्त होगा और वह जीवन चक्र से मुक्र होगा यानी वह बार-बार जन्म नहीं लेगा।

कैसे हासिल होता है निर्वाण?

निर्वाण हासिल करना बहुत मुश्किल है। कहा जाता है कि इसके लिए किसी को बहुत ही सदाचारी और धर्मसम्मत जीवन जीना होता है। ८० साल की आयु में भगवान बुद्ध के निधन को असल महापरिनिर्वाण कहा गया।

डा. आंबेडकर ने कब अपनाया था बौद्ध धर्म?

संविधान निर्माता डा.भीमराव आंबेडकर ने बरसों तक बौद्ध धर्म का अध्ययन किया था। उसके बाद १४ अक्टूबर, १९५६ को उन्होंने बौद्ध धर्म अपनाया था। उनके साथ उनके करीब ५ लाख समर्थक भी बौद्ध धर्म में शामिल हो गए थे।

उनका अंतिम संस्कार कहां हुआ?

उनके पार्थिव अवशेष का अंतिम संस्कार बौद्ध धर्म के नियमों के मुताबिक मुंबई की दादर चौपाटी पर हुआ। जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया, उसक जगह को अब चैत्य भूमि के तौर पर जाना जाता है।

उनकी पुण्यतिथि महापरिनिर्वाण दिवस के तौर पर क्यों मनाई जाती है?

दलितों की स्थिति में सुधार लाने के लिए उन्होंने काफी काम किया और छूआछूत जैसी प्रथा को खत्म करने में उनकी बड़ी भूमिका थी। इसलिए उनको बौद्ध गुरु माना जाता है। उनके अनुयायियों का मानना है कि उनके गुरु भगवान बुद्ध की तरह ही काफी प्रभावी और सदाचारी थे। उनका मानना है कि डा. आंबेडकर अपने कार्यों की वजह से निर्वाण प्राप्त कर चुके हैं। यही वजह है कि उनकी पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस या महापरिनिर्वाण दिन के तौर पर मानाया जाता है।

कैसे मनाते हैं महापरिनिर्वाण दिवस?

आंबेडकर के अनुयायी और अन्य भारतीय नेता इस मौके पर चैत्य भूमि जाते हैं और भारतीय संविधान के निर्माता को श्रद्धांजलि देते हैं।

चैत्यभूमि :

चैत्यभूमि मुंबई के दादर स्थित भारतीय संविधान के निर्माता भारतरत्न डा. भीमराव आंबेडकर की समाधि स्थली और बौद्ध धर्म के लोगो का आस्था का केंद्र हैं। दादर के समुद्र तट पर चैत्य भूमि स्थित है।

दिल्ली में अपने निवास में ६ दिसंबर १९५६ को आंबेडकर का महापरिनिर्वाण हुआ और उनका पार्थिव मुंबई में लाया गया, चैत्यभूमि में ७ दिसंबर १९५६ को भदन्त आनन्द कौशल्यायन ने आंबेडकर का बौद्ध परम्परा के अनुसार दाह संस्कार किया था। आंबेडकर का दाह संस्कार के पहले उन्हें साक्षी रख उनके १०,००,००० अनुयायिओं ने बौद्ध धम्म की दीक्षा ली और यह दीक्षा उन्हें भदन्त आनन्द कौशल्यायन ने दी थी।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : धार्मिक तथा आध्यात्मिक गतिविधियों में ज्ञान रहेगा। किसी जरुरतमंद की मदद करने से आत्मिक खुशी भी प्राप्त होगी। आर्थिक मामलों में काफी सूझबूझ व सोच-विचार कर निर्णय लें। अपना कोई भी प्लान किसी के समक्ष सार्वजनिक ना करें। युवा वर्ग को अपने कैरियर से संबंधित कोई महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है। विवाहेतर संबंधों का असर आपके पारिवारिक जीवन पर भी पड़ सकता है।

वृषभ : अपनी किसी भी समस्या का समाधान निकालने के लिए समय उत्तम है। आपकी भावनाओं व उदारता का गलत फायदा उठाया जा सकता है। किसी महत्वपूर्ण वस्तु के ना मिलने से टेंशन भी रहेगी। उच्चाधिकारियों के साथ संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। जीवन साथी के साथ घूमने-फिरने तथा रोमांटिक गतिविधियों में समय व्यतीत होगा।

मिथुन : सभी प्रकार के रिश्तों में सुधार आएगा और चारों तरफ से खुशियां महसूस होगी। शक करने की प्रवृत्ति आपके लिए ही परेशानी का कारण बन जाती है। पुरानी जायदाद संबंधी समस्याएं फिर से उठेंगी। कार्यक्षेत्र में धन लाभ प्राप्ति व नई योजनाएं बनेंगी।

कर्क : पुरानी समस्या का समाधान मिलने से राहत मिलेगी। कोई बड़ा निवेश करने के लिए समय उत्तम है। फिजूलखर्ची से बचें। कोर्ट केस संवंधी मामलों में कुछ अड़चनें आएंगी। व्यवसायिक प्रतिद्वंदी आपके सामने कड़ी चुनौती खड़ी कर सकते हैं। नौकरी में अधिकारी आपके काम से संतुष्ट रहेंगे। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं को समझे।

सिंह : समय मान व प्रतिष्ठा वर्धक है। धर्म-कर्म व आध्यात्मिक कार्यो के प्रति रुचि रहेगी। व्यवसाय, घर व दुनियादारी के बीच बेहतरीन संतुलन बनाकर रखेंगे। उधार दिए हुए पैसे वापस मिल सकते है। गाड़ी या मकान संबंधी कागजात संभालकर रखें। व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा में हार हो सकती है। नौकरी में प्रमोशन या ट्रांसफर का योग हैं। पति-पत्नी के संबंधों में मधुरता रहेगी।

कन्या : भाइयों के साथ किसी भी तरह संबंध खराब ना हो। आर्थिक मामलों में काफी सूझबूझ व सोच-विचार से निर्णय लें। बड़े बुजुर्गों का भी उचित मान-सम्मान बनाकर रखें। पैसे के लेनदेन संबंधी कार्य करते समय सावधानी बरतें। पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

तुला : अपने संपर्क सूत्रों को और अधिक मजबूत बनाएं। अति आत्मविश्वास की वजह से आपको नुकसान भी सहना पड़ सकता है। आलस को भी अपने ऊपर हावी ना होने दें, मार्केटिंग संवंधी कार्यो में अधिक समय व्यतीत होगा। पेमेंट आदि एकत्रित करने के लिए समय उत्तम है। प्रेम संबंधों में गलतफहमियां उत्पन्न होने से दरार आएगी।

वृश्चिक : प्रापर्टी से संबंधित काम बनने की भी संभावना है। आर्थिक मामलों तथा वाहन प्रयोग में पूरी तरह सावधानी बरतने की आवश्यकता है। व्यवसाय में सभी काम सुचारु रुप से चलते रहेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को टारगेट पूरा करने के लिए दबाव बना रहेगा। प्रेम संबंधों को पारिवारिक स्वीकृति मिलने से प्रसन्नता रहेगी।

धनु : कोई शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। सब कुछ ठीक होते हुए भी कहीं ना कहीं मन में बेचौनी जैसी स्थिति रहेगी। आय के साथ-साथ खर्चों की भी अधिकता रहेगी। युवा वर्ग को अपनी पढ़ाई से संबंधित ही नौकरी मिलने की पूरी उम्मीद है। किसी विपरीत लिंगी मित्र के मिलने से पुरानी यादें ताजा होंगी।

मकर : लंबे समय से चल रही किसी चिंता से भी निजात मिल सकती है। आर्थिक मामलों में कमी आने से कुछ तनाव रह सकता है। पार्टनरशिप संबंधी व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। किसी प्रोजेक्ट पर अधिक पैसा ना लगाएं। नौकरी में बॉस व सहकर्मियों तथा परिवार में जीवनसाथी से आपके संवंध अच्छे रहेंगे।

कुंभ : बाधाओं को दूर करने में सफल रहेंगे। नजदीकी मित्र धोखा या ठगी कर सकता है। विशेष व्यक्ति से मुलाकात तरक्की व जीत के लिए सहायक रहेगी। किसी के साथ साझेदारी करते समय नुकसान-फायदे की स्थितियों पर अवश्य विचार करें। पति-पत्नी में नजदीकियां बढ़ेगी। चोट या एक्सीडेंट की आशंका बन रही है।

मीन : कोई महत्वपूर्ण सूचना या समाचार प्राप्त हो सकता है। धन संबंधी कुछ कार्य संपन्न होंगे। बच्चों को लेकर चिंता रहेगी। अनावश्यक ही डर व बेचौनी की स्थिति रहेगी। लापरवाही से कोई बड़ा ऑर्डर निरस्त हो सकता है। युवा वर्ग अपने प्रेम संबंधों के प्रति मर्यादित तथा गंभीर रहेंगे।

जिले के ७६ हजार विद्यार्थियों को मिलेंगा गणवेश

गोंदिया– कोरोना महामारी के प्रकोप के चलते जिले की कक्षा पहली से लेकर ८ वी तक की स्कूलों को बंद कर दिया गया है। लेकिन जरुरतमंद विद्यार्थी गणवेश से वंचित न रहे। इस हेतु दो की बजाय एक-एक गणवेश वितरण करने का निर्णय शिक्षा विभाग की ओर से लिया गया है। जिसके तहत जिले के लगभग ७६ हजार विद्यार्थीयों को इसका लाभ दिया जाएगा। इस संदर्भ में शिक्षा विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार गोंदिया जिले के कुल १ हजार ६५ स्कूलों में ७५ हजार २५८ गणवेश पात्र विद्यार्थी अध्ययनरत है। कोरोना महामारी के चलते सभी स्कूलें बंद है। लेकिन शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन अध्यापन निरंतर किया जा रहा है। स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के सभी स्कूलों में पहली से लेकर ८ वी तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष दो गणवेशों का वितरण किया जाता है। लेकिन इस वर्ष का शैक्षणिक सत्र लगभग समाप्त होनेवाला है। वहीं कोरोना महामारी के चलते स्कूलों को अब तक शुरु करने का निर्णय नहीं लिया गया है। लेकिन कोई भी जरुरतमंद विद्यार्थी गणवेश के लाभ से वंचित न रहे इस हेतु दो की बजाय एक-एक गणवेश वितरित करने का निर्णय शिक्षा विभाग की ओर से लिया गया है। गणवेश के लिए २ करोड़ २७ लाख रुपए की निधि की जरुरत होती है। लेकिन अब तक सिर्फ केवल ५७ लाख रुपए की राशि जिले के शिक्षा विभाग को प्राप्त हुई है। राशि कम मंजूर होने से जिले के सभी विद्यार्थियों को गणेवेश का वितरण नहीं किया जा सकता। इस संदर्भ में मंजूरी मिल गई है। लेकिन राशि के लिए शिक्षा विभाग को इंतजार करना पड़ रहा है।

निधि का इंतजार

स्कूल बंद होने के बावजूद पहली से लेकर ८ वी तक के विद्यार्थियों को एक-एक गणवेश का वितरण किया जाएगा। फिलहाल अभी निधि कम है, लेकिन निधि प्राप्त होते ही गणवेशों का वितरण किया जाएगा।

– राजकुमार हिवारे
शिक्षाणाधिकारी (प्राथ), गोंदिया

खेती की आय दुगुनी करने फसल स्पर्धा में ले हिस्सा

गोंदिया– सरकार ने वर्ष २०२२ तक कृषि का उत्पादन दुगुनी करने का लक्ष्य रखा है। जिसके लिए खेती का उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा किसानों को प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित करना आवश्यक होंगा। इसके तहत किसानों की खेती शालाओं के माध्यम से फसलों का प्रात्याक्षिक आयोजित किया जा रहा है। जिले के देवरी उपविभाग में विविध गांव में चना फसल का प्रात्याक्षिक आयोजित किया जा रहा है। उसी प्रकार कृषि सहायकों के स्तर पर खेती शाला के लिए लाभार्थियों का चयन किया जा रहा है। जिसके लिए चना फुल विक्रम नामक अधिक उत्पाद देनेवाले बीज उपलब्ध कराए गए है। लाभार्थियों का चयन करते समय उन्हें वैज्ञानिक पद्धाति से चने की बुआई करने के लिए मार्गदर्शन किया जा रहा है। चने की फसल पर इल्लीयों के नियंत्रण के लिए फरों (लाइन) में पंक्षियों के निवास लगाने का नियोजन किया जाता है। खेती शालाओं के किसान को फसल स्पर्धा में सहभागी होने के लिए मार्गदर्शन किया जा रहा है। इस तरह के प्रयोग से कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी होंगी। साथ उनके अनुभवों का लाभ अन्य किसानों को भी मिलेंगा

यह उद्देश्य रखकर राज्य अंतर्गत फसल स्पर्धा क्रियान्वित की जा रही है। फसल स्पर्धा एक ही वर्ष मौसम के अनुसार आयोजित की जाएगी। इस स्पर्धा हिस्सा लेनेवाले किसानों की उत्पादकता को देखकर उन्हें तहसील जिला व राज्यस्तर पर पुरस्कृत करने का निर्णय शासन ने लिया है। तहसील स्तर पर प्रथम पुरस्कार ५ हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार ३ हजार, तृतीय पुरस्कार २ हजार रुपए रखा गया है। जिलास्तर पर प्रथम पुरस्कार १० हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार ७ हजार तथा तृतीय पुरस्कार ५ हजार रुपए रखा गया है। जबकि विभाग स्तर पर प्रथम पुरस्कार २५ हजार, द्वितीय २० हजार, तृतीय १५ हजार तथा राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार ५० हजार, द्वितीय ४० हजार एवं तृतीय ३० हजार रुपए रखा गया है। इस स्पर्धा में गोंदिया के लिए चने की फसल का समावेश किया गया है। स्पर्धा में कोई भी किसान भाग ले सकता है। इसके लिए ग्रामस्तर पर कृषि सहायक या कृषि पर्यवेक्षक से संपर्क किया जा सकता है। उसी प्रकार अधीक जानकारी के लिए पंचायत समिति के कृषि विभाग, मंडल कृषि अधिकारी तथा तहसील कृषि अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।

वर्ष २०२१ में ४ माह की छुट्टियां

गोंदिया- इस वर्ष के नए सल की शुरुआत सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों के लिए खुशखबरी वाला है। राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने २०२१ वर्ष की १९ सार्वजनिक छुट्टिया घोषित की। इस वर्ष ५२ संडे उतने ही शनिवार को भी अवकाश रहेंगा। जिलाधिकारी द्वारा घोषित ५ छुट्टियां तथा दीपावली की छुट्टिया मिलाकर १२ माह में ४ माह याने १२० दिन छुट्टियां रहेंगी। जिसके चलते वर्ष २०२१ में सरकारी कर्मचारियों को अधिक छुट्टिया मिलेंगी।

इस प्रकार रहेंगी छुट्टियां : नए वर्ष की शुरुआत शुक्रवार से होने जा रही है। पहली शासकीय छुट्टी २६ जनवरी को मिलेंगी। जिसके पश्चात १९ फरवरी को को शिवजयंती को शुक्रवार दिन में आने से लगातार ३ दिन का अवकाश मिलेंगा। २९ मार्च को होली की छुट्टि भी सोमवार को आने से लगातार तीन दिन छुट्टि मिलेंगी। इसके अलावा सितंबर माह में गणेश चतुर्थी, अक्टुबर में दशहरा शुक्रवार को आने से लगातार तीन दिन छुट्टि मिलेंगी। दीपावली पर भी छुट्टि मिलनेवाली है। बलिप्रतिपदा शुक्रवार को तथा शनिवार व रविवार को अवकाश रहने से लगातार छुट्टियां मिलेंगी। इसी माह में शुक्रवार को गुरुनानक जयंती के साथ तीन छुट्टियां और मिलेंगी।

देवरी में भव्य रोजगार मिलन समारोह

पुलिस विभाग का उपक्रम

गोंदिया– पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधिक्षक अतुल कुलकर्णी के संकल्प में लायंस क्लब इंटरनेशनल, रॉयल संजीवनी गोंदिया दिनबंधु विकास संस्था देवरी ताि जिला पुलिस दल गोंदिया के संयुक्त रुप से जिले नक्सल प्रभावित क्षेत्रों सुशिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में यशस्वती ग्रुप ऑफ कंपनी प्रा.लि. पूणे, बी.एम. डब्लयू ऑटेमोटिव्ह लि. अहमदनगर, एलजी इलेक्ट्रानिक पूणे, टेक महिंद्र फाऊंडेशन, नागपुर, ब्रिटेनिया बिस्किटस लिमिटेड, अहमदनगर, हेल्थ डिल प्राय. लिमि, नागपुर तथा अनेक ऑटोमोबाईल कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थि रहेंगे। इस हेतु १० वी तथा १२ वी, आयटीआय, पॉलीटेक्नीक पास तथा अभियंत्रिकी तथा पदविका अभियांत्रिकी में पास हुए युवक-युवती आवेदन पेश कर सकते है। इच्छुक उम्मीद्वारों से प्रत्यक्ष रुप से चर्चा की जाएगी।

आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन

९ के खिलाफ मामला दर्ज

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले गांधी चौक पीएनबी एटीएम के पास नापगुर पदवीधर मतदान संघ द्विवार्षिक २०२० अंतर्गत होनेवाले चुनाव में आरोपियों ने भाजपा पक्ष के उम्मीद्वार संदीप दिवाकर जोशी के प्रचार हेतु मंच तैयार कर व प्रचार सामग्री समेत मतदान करने हेतु आकर्षक करने का प्रयास करते हुए चुनाव आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया। जिसके चलते फर्यादी अजय फुलचंद शंभरकर (४८) निवासी छोटा गोंदिया की शिकायत के आधार पर ९ आरोपियों के खिलाफ शहर पुलिस थाने में धारा १८८ सहायक धारा १२७ (क), लोकप्रतिनिधि कानून १९५१ के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की आगे की जांच महिला पुलिस कर्मचारी पवार द्वारा की जा रही है।

महिलाओं को जनधन के मानधन का इंतजार

गोंदिया- केंद्र शासन की ओर से प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना अंतर्गत महिलाओं के जनधन बचत खाते द्वारा मिलनेवाला तीन महिनों का मानधन अब तक नहीं मिल पाया है। जिले में विविध राष्ट्रीयकृत बैंको की शाखा तथा डाक कार्यालय में जनधन योजना के लाखो बचत खाते है। वहीं महिलाओं को मानधन के रुप में प्रतिमाह मिलेवाले ५०० रुपए पिछले तीन महिनों से बैंक में नहीं जमा किया गया है। जिसके चलते महिलाओं को मानधन नही मिल पा रहा है।

गोंदिया के युवा राष्ट्रीय कोच से ले रहे प्रशिक्षण

गोंदिया जिला क्रिकेट असोशिएसन एम.सी.सी. क्लब द्वारा जिले के यूवा खिलाड़ियों को निरंतर उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मिलने के प्रयास अंतर्गत जिले के चार खिलाड़ी कुणाल तांडेकर, प्रणय जैन, गुलशन कटरे, निखिल येडे का चयन मजमुदार क्रिकेट अॅकेडमी नागपुर के विशेष प्रशिक्षण शिविर में हुआ। यहां के राष्ट्रीय कोच सुलक्षण कुलकर्णी (पूर्व मुंबई रजणी कोच), प्रितम गंधे पूर्व बी.सी.सी.आई सिलेक्टर, संदिप सिंग (रजणी ट्रॉफी) द्वारा प्रशिक्षण ले रहे है। मजमुदर डायरेक्टर सुनिल मजुमदार द्वारा गोंदिया के खिलाड़ियों को नियमित उच्च प्रशिक्षण मिले इस हेतु गोंदिया में क्रिकेट अॅकेडमी शुरु करने की घोषणा की गई। ऐसी जानकारी जिला सचिव मुकेश बाराई ने दी। खिलाड़ियों के इस चयन में नगराध्यक्ष अशोक इंगले, प्रफुल अग्रवाल, डॉ. अमित बुद्धे, पुष्पक जसानी, अजय गौर, अमृत इंगले, राजकुमार कुथे, सचिन शेंडे, हितेश कोडवानी तथा अन्य पदाधिकारियों ने बधाई दी।

प्रथम पुण्यतिथी पर किया फलों का वितरण

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव– राजे ग्रुप के युवा सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत (गोलू) अजय पशीने की पहली पुण्यतिथि में शहर में सामाजिक क्रांति की युवा पहल ग्रामीण अस्पताल अर्जुनी/मोर में राज ग्रुप के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा मरीजों को फलों का वितरण किया गय। हेमंत पशीन समूह द्वारा आयोजित हर सामाजिक कार्यक्रम में सक्रिय रहते थे। वह संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। उनकी स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन मित्र परिवार द्वारा किया गया और करुणा महाराणा प्रताप चौक में हेमंत पशीने जल सेवा में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र स्टेट मराठी प्रेस एसोसिएशन गोंदिया जिला अध्यक्ष राधेश्याम भेंडाकर पूर्व नगर सेवक देवेंद्र टेंभरे समाजसेवी अजय पशीने, राजू राजभोज, किशोर फंदे, संजय राव, अश्विन सिंह गौतम, सचिन गहाणे आदि उपस्थित थे।

महापरिनिर्वाण दिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

गोंदिया– महाराष्ट्र राज्य लालबावटा किसान यूनियन तहसील गोंदिया की ओर से ६ दिसंबर को ६४ वा महापरिनिर्वाण दिवस त्रिमुर्ती चौक में मनाया गया। इस अवसर पर संविधान की रक्षा, सामजिक न्याय, भाईचारा व एकता का संकल्प लिया गया तथा डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के जीवन में प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रल्हाद उके की ओर से की गई। वहीं ८ दिसंबर को किसान संघटन की ओर से भारत बंद में सभी को साथ देने की मांग की। कार्यक्रम में छन्नु रामटेके, आमिना बी सैय्यद, धुरपता ठाकरे, राजेंद्र गजभिये आदि उपस्थि थे।

गोवारीटोला में महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर आसोली जिप के क्षेत्र के यूवा नेता एवं तहसील महासचिव/ जिला उपाध्यक्ष किसान कांग्रेस इंजि रजिव ठकरेले ने अपने जिप क्षेत्र के प्रत्येक गांव में पहुंचकर वहां के स्थानिक कार्यकर्ताओं के साथ डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के ६४ वे पूण्यतिथि अवसर पर उनके प्रति श्रद्धांजिल अर्पित की। उसी प्रकार पोवरीटोला में आयोजित उक्त अवसर पर आमंत्रित राजीव ठकरेले ने गांव में बाबा साहब की प्रतिमा न होने पर दुख व्यक्त करते हुए सांसद नाना पटोले के पद चिन्हों पर चलते हुए स्थानिक बहुजन समाज के लोगो को प्रतिमा स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा स्वंय की ओर से बाबा साहब की ५ फुट की प्रतिमा देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जितेश राणे ने की तथा प्रमुख अतिथि के रुप में आनंद भाऊ शरणागत, लक्ष्मण सांगोडे, हंसराज गएगये, जगण साखरे, प्रमोद सहारे आदि उपस्थित थे।

महापरिनिर्वाण दिवसर पर अभिवादन व्यक्त

गोंदिया– गत दिनों पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के कोरोना बाधित होने के चलते डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर वे विगत वर्षों की तरह भीमघाट नहीं पहुंच सके। लेकिन उन्होंने अपने ही निवास स्थान पर बाबा साहब के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर विनम्र अभिवादन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. बाबा साहब आंबेडकर ऐसे महामानव थे जिनके नाम पर अपार उर्जा समाई हुई थी तथा आज भी जब उनके नाम का जयघोष होते ही उर्जा का संचार होने लगता है। डॉ. बाबासाहब आंबेडकर देश और समाज की सीमाओं को तोड़कर पुरी मानवजाती के उत्थान के लिए प्रयास किया तथा जब कोई व्यक्ति स्वंय के हितों को तोड़ककर समाज और देश दुनिया के हित में कार्य करता है तो पुरी दुनिया उसे पुजती है। डॉ. बाबा साहब आंबेडकर ऐसी परंपरा के महान ध्वजवाहक थे, जिन्होंने इन सारे विषयों पर गहन अध्ययन कर हर नागरीकों को समता का दर्जा देकर देश की प्रगती में बड़ा योगदान दिया। उसी प्रकार महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर उपस्थित समस्त कार्यकर्ताओं ने देश के संविधान की रचियता डॉ. बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित की। इस अवसर पर प्रमुख रुप से संदिप रहांगडाले, संदिप ठाकुर, दिपक मालगुजार, राजु खंडेलवाल, नरेंद्र चांदवानी, खलील पठान, भद्दु पठान, छन्नु शाह, अपूर्व अग्रवाल, राकेश ठाकुर, गौरीशंकर डहाट, रवि रामटेककर, खंबु अग्रवाल, यशपाल डोंगरे, लक्ष्मीकांत डहाट, सुद्धोन सहारे उपस्थित थे।

महापरिनिर्वाण दिवस पर अभिवादन व्यक्त

महापरिनिर्वाण दिवस के ६४ वें अवसर पर क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल ने भारत रत्न एवं भारतीय संविधान के निर्माता डॉ बाबासाहब आंबेडकर के पांगोली नदी स्थित स्थल भीमघाट स्मारक पर पहुंचकर उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित कर अभिवादन व्यक्त किया। उसी प्रकार आंबेडकर चौक में बाबासाहब की प्रतिमा में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल ने डॉ. बाबा साहब के जीवन में प्रकाश डाला। इस अवसर पर रतन वासनिक, हंसू वासनिक, टिटूलालजी लिल्हारे, राजू पटले, राम पुरोहित आदि उपस्थित थे।

अभिवादन दिवस पर युवकों ने लिया सहभाग

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव– डॉ. बाबासाहब आंबेडकर का अगर जन्म नहीं हुआ होता तो निचले वर्ग की सभी जातियों का विकास भी नहीं हो पाता। संविधान के माध्यम से डॉ. बाबा साहब आंबेडकर ने सामाजिक, राजकीय, शैक्षणिक, साहित्य तथा धार्मिक व अनेक क्षेत्रों में लोगो को अधिकार दिलाया तथा बाबासाहब आंबेडकर द्वारा किए गए कार्यो से लोगो को जीवन जीने में प्रेरणा मिली है। इस तरह की बात मुन्ना नंदागवली ने प्रमुख मार्गदर्शक के रुप में कही। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से गुरुदेव रामटेके, के.ए. रंगारी, प्रभाकर दहीकर, सुरेश खोब्रागडे, तिरपुडे, खोब्रागडे आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर महामानव क्रांतीसुर बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यर्पण कर अभिवादन व्यक्त किया गया। उसी प्रकार सामूहिक वंदना ग्रहण करने के साथ ही डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के जीवन में प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन तथा आभार मयुर खोब्रागडे ने माना तथा कार्यक्रम को सफल बनाने वैचारिक संघर्ष सामाजिक व सांस्कृतिक मंच व लोककला साहित्य सेवाभावियों द्वारा अथक प्रयास किया गया।

अभिवादन दिवस मनाया

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव– रविवार सुबह ८ बजे स्थानिय आनंद बुद्ध विहार दिक्षा भूमि ईटखेड़ा में डॉ. बाबासाहब आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बाबासाहब आंबेडकर का अभिवादन व्यक्त किया गया। उसी प्रकार कार्यक्रम की अध्यक्ष सिद्धार्थ सुखदेवे सहित बापुदास गोंडाणे तथा बुद्ध उपासक-उपासिका व युथ फाउंडेशन शोसिअल वर्क असो. के अध्यक्ष जनदिप सुखेदेवे उपा. संदन लोणारे तथा सभी सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बैंक के सामने रखी बाइक चोरी

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले फुलचुर नाके में फर्यादी तुंडीलाल बाबुलाल ठाकरे (६०) निवासी पुरगांव (गणखैरा) ने अपनी बाइक एमएच ३५ क्यु ६०४२ कीमत २५ हजार रु को कोकण ग्रामीण बैंक के सामने खड़ा किया था। इसी दौरान कोई अज्ञात आरोपी फर्यादी की बाईक लेकर फरार हो गया। शिकायत के आधार पर धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

विवाद को लेकर फावड़े से हमला

गोंदिया शहर थाना अंतर्गत आनेवाने पिंडकेपार मुर्री में एक ही मोहल्ले में रहनेवाले दो लोगो के बीच शौचालय के निर्माण हेतु गढ्ढा खोदने को लेकर विवाद हो गया। सुत्रों से मिली जानकारी के फर्यादी कमलेश मधुजी हागडे (३०) अपने आंगन में मौजुद थी। इसी दौरान आरोपियों द्वारा फर्यादी के जगह पर शौचालय हेतु गढ्ढा खोदा जा रहा था। जिसे लेकन फर्यादी ने जब विरोध जताया तो दो आरोपियों ने आपसी में सांठगांठ कर विवाद करना शुरु किया तथा लोहे के फावडे से फर्यादी के सिर व आंखो पर प्रहार कर गंभीर रुप से घायल कर दिया तथा भविष्य में आगे मारपीट करने की धमकी दी। फिर्यादी की शिकायत व डॉक्टरी अहवाल के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा ३२४,५०४,५०६,३४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस हवलदार गणवीर कर रहे है।

दुपहिया खंभे से टकराई, घायल की मौत

केशोरी पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम भरनोली में मोटर सायकल चालक रतिराम गावडे (२०) निवासी भरनोली ने लापरवाही पूर्वक तेज गति से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे स्थित लोहे के खंभे को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में मोटर सायकल चालक गंभीर रुप से घायल हो गया था। जिसका उपचार गढ़चिरोली के चिकित्सालय में किया जा रहा था। जहां उसकी मौत हो गई। फर्यादी की शिकायत के आधार पर धार १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सड़क हादसे में घायल, २ की मौत

जिले में घटित हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में जिला चिकित्सालय में उपचार कर रहे २ लोगो की मौत हो गई। उपरोक्त दोनो घटना रावनवाड़ी पुलिस थाना अंतर्गत सामने आई। जानकारी के अनुसार बिर्सी से चिरामनटोला जानेवाले मार्ग पर तुकराम सोमा वाढई (६०) सड़क हादसे में गंभीर रुप से घायल हो गई थी। जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। फर्यादी की शिकायत के आधार पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसी प्रकार रावनवाड़ी जानेवाले मार्ग पर तुरकर हॉस्पीटल के पास संतोष अमृतलाल रहांडाले सड़क हादसे में गंभीर रुप से घायल हो गया था। जिसका उपचार जिला चिकित्सालय में किया जा रहा था। जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। शिकायत के आधार पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

घर में चोरी

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाली साई माऊली कॉलोनी के एक बंद घर में अज्ञात चोरो ने प्रवेश किया तथा वहां मौजुद टीवी समेत नगदी राशि लेकर फरार हो गए। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फर्यादी अनिल शरद ठाकरे (२६) अपने भाई के घर में रहता है तथा बीजे हॉस्पीटल में कार्यरत है। घटना दिवस के दिन फर्यादी के घरवाले गांव गए हुए थे तथा वह अपनी ड्यिुटी कर रहा था। इसी दौरान अज्ञात चोरो ने सुनेपन का लाभ लेते फर्यादी के घर का दरवाजा तोड़ भीतर प्रवेश किया तथा वहां मौजुद एलईडी टीवी समेत ४५ हजार नगदी ऐसा कुल ५२ हजार का माल लेकर फरार हो गए। फर्यादी की शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा ३८०,४५७ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

२ लाख २४ हजार के माल पर हांथ साफ

सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम रामपुरा निवासी फर्यादी विनोद सुरेश देवगिरे (४५) घर के दरवजे को ताला लगाकर तेरवी कार्यक्रम में गया हुआ था। इसी दौरान किन्ही अज्ञात चोरो ने सुनेपन का लाभ लेकर फर्यादी के घर के सामने का दरवाजा तोड़ भीतर प्रवेश किया तथा बेडरुम में रखी आलमारी का लॉक तोड सोने चांदी के जेवरात व नगदी समेत कुल २ लाख २४ हजार ३८० रु के माल पर हांथ साफ कर दिया। शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा ४५७,३८० के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बाईक चोरी

गोंदिया शहर थाना अंतर्गत आनेवाले सर्कस मैदान के समीप प्रींस गैरेज के समीप रखी दुपहिया वाहन चोरी हो गई। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फर्यादी ने दुपहिया क्र. एमएच ३५ एएन ९८५६ गैरेज के पास खड़ी कर रखी थी। इसी दौरान अज्ञात चोर उसका वाहन लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

आचार संहिता के कारण
ग्रीष्मकालीन धान सिंचाई का नियोजन रुका

गोंदिया- बाघ इटियाडोह प्रकल्प के पानी से हर साल हजारों हेक्टर में ग्रीष्मकालीन धान उत्पादन के लिए सिंचाई की जाती है। जिसका नियोजन नवंबर माह के दुसरे सप्ताह हो जाता है। लेकिन इस वर्ष अब तक किसी क्षेत्र की घोषणा नहीं की गई न ही नियोजन बन पाया। जानकारी के अनुसार उक्त नियोजन को लेकर बैठक आयोजित होनेवाली थी। लेकिन स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव प्रक्रिया के चलते आचार संहिता लागू होने से बैठक रद्द कर दी गई। आचार संहिता ७ दिसंबर तक लागू होने के कारण नियोजन हेतु बैठक नही ली जा सकती। जिसके चलते किसानो की परेशानी बढ़ गई है। इटियाडोह के पानी से भंडारा सहित गड़चिरोली जिले के लगभग ९ हजार ९०० हे. क्षेत्र में सिंचाई की जा सकती है। उसी प्रकार बाघ प्रकल्प के पुजारीटोला, कालिसरार, शिरपुर जलाशय के पानी से गोंदिया जिले सहित मध्यप्रदेश राज्य के कुछ जिलों में सिंचाई हो सकती है। लेकिन नियोजन सभी अब तक नहीं होने से क्षेत्रों की घोषणा नहीं हुई है। गौरतलब है कि प्रतिवर्ष रोटेशन के आधार पर एक-एक साल के अंतराल पर अलग-अलग क्षेत्र के किसानों को ग्रीष्मकालीन धान उत्पादन का अवसर दिया जाता है। जैसे कि गत वर्ष जिन्होंने ग्रीष्मकालीन धान उत्पादन लिया था। उन्हें इस साल सिंचाई नही मिलेंगी। जो इस वर्ष लाभान्वित नहीं हुए थ, उन्हें इस साल ग्रीष्मकालीन धान उत्पादन के लिए पानी उपलब्ध नहीं किया जाएगा।

आचार संहिता के पश्चात नियोजन

ग्रीष्मकालीन धान उत्पादन के लिए सिंचाई क्षेत्र का नियोजन करने हेतु सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थित में नियोजन सभा ली जाती है। जो आचार संहिता के चलते अब तक नहीं हो पाई है। आचार संहिता समाप्त होते ही सिंचाई क्षेत्र का नियोजन किया जाएगा।

-डी बी भिवगड़े, प्र.कार्य. अभियंता सिंचाई विभाग, गोंदिया

लेटलतीफी से परेशानी

ग्रीष्मकालीन धान उत्पादन के सिंचाई क्षेत्र का नियोजन करने हेतु सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थित में नियोजन सभा ली जाती है। इसके चलते किसानों को समय पर नियोजन करना मुश्किल हो जाता है। जिसका असर उत्पादन पर होता है। प्रशासन को यदि सिंचाई के लिए पानी देना ही है तो फिर लेटलतीफी क्यों, इस संदर्भ में १० से १५ दिनों में घोषणा नही हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

-रघुनाथ चुटे, किसान

समाज सेवकों ने बुझाए सड़क पर बने गढ्ढे

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- बोंडगांव देवी जानेवाली सड़क में शाम राइस मिल के सामने एक बड़ा गढ्ढा बन गया था। लोक निर्माण विभाग की देखरेख में राज्य के राजमार्गो की मरम्मत और रखरखाव पर प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं। लेकिन इसके बावजूद इस मार्ग के गढ्डों को नहीं भरा जा रहा है। जिसके चलते इस मार्ग से आवागमन करनेवाले वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे है। जब यह मामला भाजपा के तहसील महासचिव बोंडगांव देवी और रत्नाकर बोरकर के पूर्व सरपंच राधेश्याम झोल के संज्ञान में आई तो उन्होंने गांव के दो स्वयंसेवकों प्यारेलाल बोरकर और बलदेव बोरकर को सूचित किया और ७ दिसंबर को सड़क पर बने बने गढ्ढों को भरा गया। यहां के नागरिकों द्वारा सड़क दुरुस्त किए जाने की मांग की जा रही है।

डीजल का अवैध भंडारण जब्त

गोंदिया- तिरोड़ा पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पांजरा में आरोपी हितेश परमेश्वर भांडारकर (३६) द्वारा अपने प्रतिष्ठान रवि भोजनालय ढाबा में अवैध रुप से बिना अनुमति के प्लास्टिक केन में भरकर रखा गया १६५ लीटर डीजल, सिल्वर रंग की एक प्लास्टीक केन में रखा गया ६५ लीटर डीजल, एक दुसरे प्लास्टीक केन में रखा गया ४० लीटर डीजल, एक २० लीटर की खाली प्लास्टिक केन, १० एवं ५ लीटर के जर्मन के २ माप, एक प्लास्टिक छलनी तथा डीजल भरने के लिए उपयोग में लाया जानेवाला पाईप व २ नग एचपी कंपनी के घरेलु सिलेंडर जिसमें से एक भरा हुआ था। इस तरह कुल मिलाकर पुलिस ने २७ हजार २०० रुपए का माल जब्त किया है। यह कार्यवाई ४ दिसंबर को ४.३० बजे के दौरान की गई। फर्यादी निलेश शंकरलाल देठे (३८) तहसील कार्यालय तिरोड़ा की शिकायत पर पुलिस ने धारा ३ अंतर्गत मामला दर्ज किया है। आगे की जांच पुलिस कर्मचारी दामाडे कर रहे है।

सांसद प्रफुल पटेल का दौरा

गोंदिया- सांसद प्रफुल पटेल ७ व ८ दिसंबर को गोंदिया व भंडारा जिले में आयोजित विविध कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगे। प्रफुल पटेल ७ दिसंबर को दोपहर १ बजे पवनी में कृषि उत्पन्न बाजार समिति के नवनिर्मित गोदाम का उद्घाटन तथा कार्यकर्ता सम्मेलन में दोपहर २.३० बजे शिवनी शिवाजी चौक, मासल (लाखांदुर), दोपहर ४ बजे लाखांदुर में बोरकर कॉम्पलेक्स टी पाईंट में शाम ५ बजे अर्जुनी मोरगांव प्रसन्ना सभागृह तथा शाम ६.३० बजे सडक अर्जुनी गुरुकुल करियर अकेडेमी में आयोजित पक्ष पदाधिकारियों की बैठक में उपस्थित रहेंगे। उसी प्रकार ८ दिसंबर को गोरेगांव तहसील में सुबह ११ बजे, कवलेवाडा (जी.ई.एम हायस्कूल का प्रांगण) में सभा, दोहपर १२ बजे कुन्हाडी (शहीद जाम्या तिम्या स्मारक चौक)- सभा दोपहर १ बजे गोरेगां, दोपहर २ बजे सौनी, ३ बजे गिधाडी, ४ बजे मुंडीपार- सतीश गेंदलाल कटरे के निवास स्थान में सभा में उपस्थित रहेंगे।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुन: निरीक्षण कार्यक्रम घोषित

गोंदिया- भारत निर्वाचन आयोग के २४ अगस्त २०२० के पत्रानुसार १ जनवरी २०२१ अर्हता दिनांक पर आधारित मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित किया गया है। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत ५ व ६ दिसंबर २०२० तथा १२ व १३ दिसंबर २०२० को विशेष अभियान आयोजित किया गया है। उपरोक्त तिथियों पर विशेष अभियान अंतर्गत जिले के १८ से १९ वर्ष आयु के मतदाता एवं दिव्यांग मतदाताओं द्वारा अभियान में अधिक से अधिक भाग लेकर अपना नाम मतदाता सूची में है या नही इसकी जांच करनी चाहिए यदि मतदाता सूची में उनका नाम न हो तो अपने नजदीक के मतदान केंद्रस्तरीय अधिकारी (बीएलओ) से मिलकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करने के लिए नमूना ६ के आवेदन भरकर दें ताकि उनका नाम इस अभियान अंतर्गत मतदाता सूची में दर्ज हो सके।

कास्ट्राईब कर्मचारी महासंघ को मिलेंगा कार्यालय

अर्जुनी मोरगांव- कास्ट्राईब कर्मचारी महासंघ, महाराष्ट्र राज्य शाखा जिला गोंदिया के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश वासनिक के नेतृत्व में ४ दिसंबर को निवासी उपजिलाधिकारी को कार्यालय उपलब्ध कराने का निवेदन सौंपा गया है। जिसपर उपजिलाधिकरी द्वारा उक्त समस्या के साथ ही एसडीओ कार्यालय तथा सीओ कार्यालय यहां लाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ओप्रकाश वासनिक, संजय उके, अविनाश गणवीर, राजेश गजभिये, उत्क्रांत उके, अमित गडपायले आदि उपस्थित थे।

कुष्ठरोग व क्षयरोग मरीजों की खोज का उद्घाटन

गोंदिया- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खमारी में कृष्ठरोग एवं क्षयरोग मरीज शोध अभियान का संयुक्त रुप से शुभारंभ मंगलवार को फुलचुर के प्रतिष्ठत नागरिक रेवाजी सूरज जोशी के हाथों किया गया। इस अवसर पर तहसील के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश चौरागडे, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक अधिकारी डॉ. नितीन काटोले प्रमुख रुप से उपस्थित थे। उक्त अभियान के लिए इस वर्ष गोंदिया तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों के ९ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो के अंतर्गत २४९ टीम एवं शहरी क्षेत्रों में ८५ टीमे बनाई गई है। प्रत्येक टीम में एक महिला आशा कार्यकर्ता तथा पुरुष स्वयंसेवक की नियुक्ति की गई है। उपरोक्त अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के २ लाख ९४ हजार ८६० एवं शहरी क्षेत्र के १ लाख ३२ हजार ८०० नागरिकों की टीमों की ओर से जांच की जाएगी। कार्यक्रम में आरोग्य सहायक एस.बी. जवंजार हरीश चिलांधोरे, रवींद्र जाधव तथा डी.एस. बनकर उपस्थित थे।

क्या आप परेशान हैं?

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

डॉ. सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.

हर रविवार
सुबह 11 से 4 बजे

धन्वंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्पलेक्स, पाल चौक, गोंदिया

संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

धान का उत्पादन कम होने से किसान चिंतित

गोंदिया- धान के पौधो में किड़े लगने के कारण धान के उत्पादन में कमी आई है। जिसके चलते अब किसान चिंतित दिखाई दे रहे है। खेती पर लगाई गई राशि भी किसान नहीं निकाल पा रहे है। जिसके चलते उनपर परिवार के पालन पोषण की चिंता आन पड़ी है। इस वर्ष बड़े पैमाने पर उत्पादन होने की आशंका किसानों द्वारा लगाई गई थी। लेकिन धान में कई प्रकार के किड़ो ने आक्रमण कर दिया जिससे किसानों द्वारा लिया गया धान का उत्पादन कम हो गया। उसी प्रकार मजदूरों की रोजी में हुई बढ़ोत्तरी के कारण खेती में अधिक पैसा लग रहा है तथा लिया गया उत्पादन भी कम हुआ है। जिले में धान उत्पादन को लेकर इस वर्ष कमी देखने को मिली है। फसलों की बिमा राशि की सुविधा नहीं मिल पाई। जिसके चलते किसानों द्वारा सवाल किया जा रहा है कि जब इस योजना का लाभ ही नहीं मिल पा रह है तो योजना फिर किसलिए शुरु की गई है। अनेक किसानों ने फसल लगाने हेतु बैंक, सौसायटी से कर्ज लिया है। लेकिन उत्पादन में कमी होने से कर्ज को कैसे अदा किया जाए ऐसी परेशानी किसानों के सामने आ रही है।

लाख उत्पादन से किसानों की आर्थिक प्रगती

गोरेगांव तहसील में सबसे अधिक उत्पादन

गोंदिया- लाख उत्पादन से गोंदिया जिले के हजारों किसान आर्थिक प्रगती की ओर बढ़ रहे है। सबसे अधिक लाख का उत्पादन गोंदिया जिले की गोरेगांव तहसील में लिया जा रहा है। वर्तमान में खुदरा व्यापारियों द्वारा २० हजार रुपए क्विंटल के भाव से लाख खरीदी जा रही है। ज्ञात हो कि जिले की मुख्य फसल धान है। जिले के अनेक किसान धान की खेती के भरोसे निर्भर रहते है। वहीं प्रकृतिक आपदाओं के चलते किसानों को कई बार नुकसान का सामना करना पड़ता है। जिसके चलते उनकी आर्थिक स्थिती और भी खराब हो जाती है। लेकिन अब किसान खेतो में लगे पलस तथा बेर के पेड़ो से लाख का उत्पादन ले रहे है। किसानों को लाख का उत्पादन लेने के लिए पैसे नहीं खर्च करने पड़ते। पेड़ो की शाखाओं पर लाख के कीटकों को छोड़ दिया जाता है। लगभग ४ से ५ महिनों के बाद ही पुरा पेड़ लाख से भरा दिखाई देता है। जिले की गोरेगांव तहसील में सबसे अधिक लाख का उत्पादन लिया जा रहा है। खुदरा व्यापारियों द्वारा २० हजार रुपए क्विंटल लाख खरीदी जा रही है जिससे किसानों को फायदा हो रहा है।

लाख उत्पादन से फायदा

लाख उत्पादन लेने में किसी भी प्रकार का खर्च नही आता तथा इसकी देखरेख भी नही करनी पड़ती। लाख का उत्पादन लेने से किसानों की आय में बढ़ोत्तरी हो रही है। एक पेड़ वर्षभर में हजार रुपए की आमदनी देता है। इस प्रकार हर किसानों के खेत में लगभग ५० से अधिक पलस के पेड़ होते है। जिनकी खेती ४ से ५ एकड़ है उनके खेतों में पलस के पेड़ की संख्या अधिक होती है। मुझे प्रतिवर्ष बिना लागत के ४० से ५० हजार की आय प्राप्त हो जाती है।

किसानों का बिजली विभाग कार्यालय में मोर्चा

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- धान उत्पादक संघ, तहसील अर्जुनी मोरगांव की ओर से बिजली वितरण कार्यालय में ८ दिसंबर को किसानों को खेतिहर मजदूरों का एक विशाला मोर्चा निकाला जाएगा। तहसील के किसान पिछले कई महिनों से ८ घंटे की बजाय २४ घंटे बिजली आपूर्ति करने की मांग कर रहे है। लेकिन इनकी उक्त मांग को जानबूझकर दरकिनार किया जा रहा है। उसी प्रकार अन्य मांगो को लेकर भी किसानों आंदोलन करना शुरु कर दिया है। इस संदर्भ में मांग पुरी नहीं किए जाने से किसानों द्वारा ८ दिसंबर को बिजली विभाग कार्यालय के सामने मोर्चा निकाला जाएगा। उसी प्रकार पुरी तहसील में बेमौसम बारिश तथा खराब मौसम के चलते किसानों की फसलों को नुकसान हुआ है। गर्मी में फसलों के लिए बड़े पैमान पर बिजली की आवश्यकता होती है। लेकिन इसके बावजूद सरकार द्वारा किसानों को बिजली पंप चलाने के लिए मात्र ८ घंटे दिए जा रहे है। जिसको ले बिजली विभाग कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।